एकलव्य का नया प्रकाशन

www.eklavya.in

रूखी-सुखी

अकाल पड़ा।
सारी फसल मर गई।
नदी-नाले सूख गए।
पेड़ भी मरे।
पशु और पक्षी भी।

अकाल में क्या
खाकर जिए?
पानी कहाँ से पीते थे?

बहुत से लोग मर
गए।
लूटपाट मची।

पढ़ें अकाल की कहानी - अकाल पीड़ितों की ज़ुबानी

रूखी-सुखी

पश्चिमी निमाड़ में अकाल
आधारशिला शिक्षण केन्द्र की प्रस्तुति

पेपर बैक 24

मूल्य: 45.00

ISBN: 978-93-81300-76-3

Order your copies at: pitara@eklavya.in